कार्यालय-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, देवघर वन प्रमण्डल, देवघर

संयुक्त वन भवन, बेलाबगान, देवघर

फोन नं०-06432 - 232397, मो०-8987790441, ई-मेल : dfo-deoghar@gov.in

पत्रांक 1151 देवघर, दिनांक 08.11.2025

e-mail

सेवा में,

महाप्रबंधक,
एस०पी० माईन्स, चितरा।

विषय : देवघर वन प्रमंडल, देवघर अन्तर्गत ई.सी.एल. की एस.पी. माईन्स, चितरा खुली खदान परियोजना हेतु कुल 113.94 हे. वनभूमि अपयोजन प्रस्ताव के संबंध में।

प्रसंग :
1. **आपका पत्रांक 387 दिनांक 30.10.2025।**
2. **परिवेश 1.0 पर प्राप्त वनभूमि अपयोजन प्रस्ताव के आलोक में इस कार्यालय का पत्रांक 1285 दिनांक 20.09.2022 एवं पत्रांक 821 दिनांक 01.08.2025।**

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र (2) के माध्यम् से परिवेश 1.0 पोर्टल पर आवश्यक अभिलेख संलग्न नहीं रहने के कारण ई.डी.एस. रेज किया गया था, जिसमें कई बार स्मारित किये जाने के बाद भी आपके स्तर से अधुरा प्रस्ताव समर्पित किया गया है।

विदित हो कि भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (वन संरक्षण प्रभाग) द्वारा निर्गत पत्र सं०–FC-11/118/2021-FC दिनांक 25.01.2024 (छायाप्रति संलग्न) के बिन्दू सं०–2(i) एवं 2(iv) के अनुसार :–

> ***2(i) "Proposals submitted on PARIVESH 1.0 which have not shown any progress for the past 90 days may be rejected and the concerned user agencies may be informed accordingly. In such proposals if the user agency desires to pursue their proposals for prior approval under the Adhiniyam, fresh application shall be submitted on PARIVESH 2.0."***
>
> ***2(iv) "Facility to process the proposals on PARIVESH 1.0 will be provided for a period 150 days and after expiry of the said period, all proposals will be migrated to PARIVESH 2.0 for their further processing."***

उपरोक्त के आलोक में वैसे प्रस्ताव जिनमें 90 दिनों से अधिक अवधि तक कोई प्रगति नहीं हुई है को परिवेश 1.0 से निरस्त करने का प्रावधान है तथा ऐसी परियोजनाओं में परिवेश 2.0 के माध्यम् से अग्रेतर कार्रवाई की जा सकती है। बार–बार स्मारित किये जाने के बाद भी आपके स्तर से अधुरा प्रस्ताव समर्पित किया गया है तथा प्रस्ताव आज तक *Scrutiny Phase* में लम्बित है। भारत सरकार द्वारा परिवेश 1.0 के माध्यम् से कार्रवाई करने की मियाद (समय–सीमा) जून, 2024 में समाप्त हो चुकी है।

प्रासंगिक पत्र (1) के द्वारा समर्पित अनुपालन प्रतिवेदन के अवलोकनोपरांत प्राप्त प्रस्ताव में निम्नांकित कमियाँ/त्रुटियाँ पायी गयी हैं :–

1. 3.14 हे० गैर–मजरूआ जंगल झाड़ी भूमि का सत्यापन अंचल अधिकारी, पालोजोरी के माध्यम् से पूर्ण करा लिया जाए, ताकि प्रस्ताव अन्तर्गत सन्निहित कुल वनभूमि के क्षेत्रफल में किसी भी प्रकार का विचलन नहीं हो।

2. वैरो ग्राग जिनगें वनभूगि रान्निहित हो गें ग्राग राभा की राहगति प्ररताव के रााथ रांलग्न किया जाए।

3. बिन्दू सं०–6 से स्पष्ट है कि पर्यावर्णीय स्वीकृति हेतु समर्पित आवेदन में वनभूमि का रकवा गलत प्रतिवेदित किया गया है, जिसमें विधिवत् संशोधन अपेक्षित है।

4. आपके कार्यालय पत्रांक 49 दिनांक 12.05.2023 एवं पत्रांक 170 दिनांक 14.10.2023 के द्वारा समर्पित के॰एम॰एल॰ में Detailed land use pattern समर्पित किया गया है, परन्तु सी॰डी॰ में तकनीकी त्रुटि के कारण kml संरक्षित करने में कठिनाई हो रही है। अनुरोध है कि पेनड्राईव में kml सहित परियोजना से संबंधित अन्य दस्तावेज संरक्षित कर समर्पित किया जाए।

5. जंगल झाड़ी एवं अन्य वनभूमि जिनकी अभिरक्षा राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत है, के संबंध में उपायुक्त, देवघर द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्ताव में संलग्न नहीं है।

6. संयुक्त गणना सूची तैयार करने हेतु इस कार्यालय के पत्रांक 1038 दिनांक 09.10.2025 के माध्यम् से वन क्षेत्र पदाधिकारी, भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, देवघर को निदेशित किया जा चुका है। अनुरोध है कि आपके स्तर से अपने प्रतिनिधि को वन क्षेत्र कार्यालय मधुपुर से सम्पर्क स्थापित कर गणना सूची तैयार करने हेतु प्रतिनियुक्त किया जाए तथा प्रस्ताव के साथ संयुक्त गणना सूची अनिवार्य रूप से समर्पित किया जाए।

7. आपके पत्रांक 153 दिनांक 29.07.2025 के द्वारा कुल 227.88 हे० क्षतिपूरक वनरोपण हेतु वनभूमि चिन्हित करने का अनुरोध किया गया है, जिसके आलोक में निम्नांकित भूमि क्षतिपूरक वनरोपण हेतु चिन्हित की गयी है। अनुरोध है संबंधित सभी स्थलों पर डी॰जी॰पी॰एस॰ सर्वे पूर्ण कर क्षतिपूरक वनरोपण स्थल का मौजा मानचित्र, टोपोग्राफिकल मानचित्र, के॰एम॰एल॰ आदि पेनड्राईव में समर्पित किया जाए। विदित हो कि राजस्व विभाग के स्तर से अपयोजित होनेवाली वनभूमि के क्षेत्रफल में यदि परिवर्तन किया जाता है तो वैसी परिस्थिति में क्षतिपूरक वनरोपण के रकवा में परिवर्तन किया जा सकेगा, साथ ही उच्चतम् न्यायालय के न्यायादेश के आलोक में यदि उच्च स्तर/सक्षम स्तर से यह निर्णय लिया जाता है कि क्षतिपूरक वनरोपण गैर–वनभूमि पर सम्पादित की जायेगी वैसी परिस्थिति में तद्नुरूप अनुपालन किया जाना प्रयोक्ता संस्थान की बाध्यता होगी :

क्र॰	प्रक्षेत्र का नाम	मौजा का नाम	थाना/थाना नं०	रकवा (हे॰ में)
1	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	दनरबाद	सारठ–535	12.00
2	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	बेदपुरा	सारठ–534	11.00
3	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	ताराडंगाल	मधुपुर–616	19.00
4	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	कैराकोल	मधुपुर–583	14.00
5	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	दुहोसूहो	मधुपुर–99	27.00
6	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	बैजूटांड़	मधुपुर–468	13.00
7	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	गोराडीह	मधुपुर–436	19.00
8	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	घघरजोरी	मधुपुर–384	17.00
9	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	बेलाटांड़	मधुपुर–144	18.00
10	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	मोरडीह	मधुपुर–143	13.00
11	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	पीपरटोला	मधुपुर–09	15.00
12	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर	रेगुआमारनी	मधुपुर–06	15.00
13	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, देवघर	भैयाराडीह	देवघर–175	16.00
14	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, देवघर	करतोरायडीह	देवघर–178	10.00
15	भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, देवघर	बड़ामिरखी	मधुपुर–300	8.88
			कुल	**227.88**

अतः उपरोक्त के आलोक में अनुरोध है कि भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (वन संरक्षण प्रभाग) द्वारा निर्गत पत्र सं०–FC-11/118/2021-FC दिनांक 25.01.2024 के आलोक में सभी वांछित अभिलेखों सहित परिवेश 2.0 पर वनभूमि अपयोजन प्रस्ताव समर्पित किया जाए, ताकि अग्रेतर कार्रवाई की जा सके। प्रस्ताव की हार्ड कॉपियाँ संशोधन हेतु इस पत्र के साथ संलग्न कर वापस की जा रही है।

अनु०–यथोक्त।

विश्वासभाजन

Abhishek 8/11/25

वन प्रमंडल पदाधिकारी
देवघर वन प्रमंडल, देवघर

e-mail

ज्ञापांक 1151 दिनांक 08.11.2025

प्रतिलिपि : वन क्षेत्र पदाधिकारी, भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, देवघर एवं वन क्षेत्र पदाधिकारी, भू–संरक्षण प्रक्षेत्र, मधुपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित। निदेशित किया जाता है कि क्षतिपूरक वनरोपण हेतु सर्वे एवं डी॰जी॰पी॰एस॰ कार्य प्रयोक्ता संस्थान के साथ सामंजस्य स्थापित कर पूर्ण किया जाए, ताकि अग्रेतर कार्रवाई की जा सके।

Abhishek 8/11/25

वन प्रमण्डल पदाधिकारी
देवघर वन प्रमण्डल, देवघर

e-mail

ज्ञापांक 1151 दिनांक 08.11.2025

प्रतिलिपि : वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, देवघर/क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, संथाल परगना, दुमका तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, राँची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

Abhishek 8/11/25

वन प्रमण्डल पदाधिकारी
देवघर वन प्रमण्डल, देवघर

का०/प्र०

I/63554/2024

Government of India
Ministry of Environment, Forest and Climate Change
(Forest Conservation Division)

Indira Paryavaran Bhawan,
Aliganj, Jor Bagh Road,
New Delhi: 110003

Dated: 25th January, 2024

To

Addl. Chief Secretary/Principal Secretary (Forests)
All State Govt./Union territory Administrations

Sub: Migration of proposals from PARIVESH 1.0 to PARIVESH 2.0 – Procedure for processing of proposals – reg.

Madam/Sir,

I am directed to the refer to the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Rules, 2023 notified by the Central Government on 29.11.2023 and to inform that adverting to the provisions of aforementioned rules, processing authorities in the State/Union territories Administrations and the Regional Offices of the Ministry, have informed that due to migration of existing proposals from PARIVESH 1.0 to PARIVESH 2.0, the process for processing of these proposals is to be taken afresh due to limited data transfer from the PARIVESH 1.0 to PARIVESH 2.0. This situation has created chaos and resentment among the various users. Accordingly, the matter has been examined by the Ministry in consultation with the NIC, MoEF&CC, New Delhi wherein the following is revealed:

i. Currently there are approximately, more than 12,000 proposals pending for grant of 'in-principle' approval on PARIVESH 1.0 which were considered for migration from PARIVESH 1.0 to PARIVESH 2.0, including the proposals which have already been scrutinized and recommended by the State for their approval to the Central Government.
ii. As per the technical limitation, these proposals needs to take the entire process afresh to reach to the level of Central Government.
iii. Since these proposals have already competed the scrutiny process, it may be not be prudent to subject them to this process afresh on PARIVESH 2.0.
iv. As per the provisions of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980, the process of approval has to be completed online.

2. Keeping in view the above situation and after deliberation on curtailing the likely delay due to likely repetition of process on PARIVESH 2.0, the following has been decided by the Ministry in respect of existing proposals on PARIVESH 1.0:

i. Proposals submitted on PARIVESH 1.0 which have not shown any progress for the past 90 days may be rejected and the concerned user agencies may be informed accordingly. In such proposals if the user agency desires to pursue their proposals for prior approval under the Adhiniyam, fresh application shall be submitted on PARIVESH 2.0.
ii. Proposals submitted on PARIVESH 1.0 which are at various stages of processing on PARIVESH 1.0 may continue to be processed on PARIVESH 1.0. However to adhere the procedures laid down in the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980, the minutes of the meeting of Project Steering Committee (PSC), may be attached with part-IV of forms and processing of proposals, involving less than 5 ha of forest area, through

Conservator of Forests, may be treated inert for procedural/technical purposes.

iii. Proposals of PARIVESH 1.0 which will be granted 'in-principle' or 'final' approval will be migrated to PARIVESH 2.0 for processing compliance of 'in-principle' approval. Further, the proposals of PARIVESH 1.0, which have already been submitted along with the compliance of 'in-principle' approval and are under process at various authorities in the State Forest Department and State Govenrment/UTs Administrations will also be allowed to be processed on PARIVESH 1.0.

iv. Facility to process the proposals on PARIVESH 1.0 will be provided for a period 150 days and after expiry of the said period, all proposals will be migrated to PARIVESH 2.0 for their further processing.

3. The ADG, NIC will make necessary arrangements to integrate PARIVESH 1.0 with PARIVESH 2.0 with the following features :

i. The outcome of individual cases on PARIVESH 1.0 along with the application form as available on PARIVESH 1.0 be visible on PARIVESH 2.0

ii. The search /query on PARIVESH 2.0 will be refined to include in its scope the database of PARIVESH 1.0

iii. Arrangements to create link and bridge between PARIVESH 2.0 and 1.0 may be provided to access the detail of PARIVESH 1.0 proposals while working on migrated proposals on the PARIVESH 2.0 and vice-versa.

iv. PARIVESH 1.0 shall continue to house the legacy data and continue to exist on the relevant server since it is not possible for the data of PARIVESH 1.0 to migrate to 2.0.

Signed by Charan Jeet Singh
Date: 25-01-2024 10:46:12
Reason: Approved

Yours faithfully,

(Charan Jeet Singh)
Scientist D

Copy to:

1. The PCCF (HOFF), All States/UTs
2. Dy Director Generals of Forests (Central), All ROs/SROs of the MoEF&CC
3. Addl. PCCF & Nodal Officer (FCA), O/o PCCF, All State/UTs
4. ADG NIC, CGO Complex, New Delhi with a request to take action as per above decision
5. Director (Technical), NIC, MoEF&CC with a request to take necessary action to align the PARIVESH portal as per decision mentioned above.
6. Guard File

Online Help/Query

EDS Form

Help

EDS has been completed, EDS is pending, Click on this image button for EDS reply.

Essential Details Sought by Forest Department * :

Send To* : Select

Upload a copy of Essential Details Sought letter(if any): Choose file No file chosen
(PDF only - File name should only contain English letters (a-z/A-Z), digits (0-9), and underscores (_).)

ADD

ply	Essential Details Sought by Forest Department	Sought on/Replied on(Date)	Uploaded copy of Essential Details Sought letter	Query from/ Rep
	The correction have been made as per the instruction received	30/10/2025	(../writereaddata/eds_UA/)	User Agency
	Correction made are again not complete kindly upload complete compliance of this office letter no 821 dated 01.08.2025	01/08/2025	8111122412171ECLchitraEDS.pdf (../writereaddata/eds_UA/8111122412171ECLchitraEDS.pdf)	DFO
	The correction have been made as per the instruction received	13/06/2024	(../writereaddata/eds_UA/)	User Agency
	Correction made are not complete kindly upload complete compliance partial compliance are being uploaded time and again.	18/03/2024	31118121812131chitraobjection.pdf (../writereaddata/eds_UA/31118121812131chitraobjection.pdf)	DFO
	The correction have been made as per the instruction received	17/10/2023	(../writereaddata/eds_UA/)	User Agency
	Complete compliance of this office letter no 1285 dated 20.09.2022 is pending till date. Kindly submit complete compliance.	19/07/2023	711191229121311285.pdf (../writereaddata/eds_UA/711191229121311285.pdf)	DFO
	The correction have been made as per the instruction received	15/05/2023	(../writereaddata/eds_UA/)	User Agency
	Many essentials documents are not enclosed with the proposal kindly comply this office letter no 1285 dated 20.09.2022	17/02/2023	21117124012171AdobeScan17Feb2023.pdf (../writereaddata/eds_UA/21117124012171AdobeScan17Feb2023.pdf)	DFO

© Content Owned, Updated and Maintained by Ministry of Environment,Forest and Climate Change, Government of India
Terms & Conditions (TermsandConditions.aspx) | Privacy Policy (Privacypolicy.aspx) | Copyright Policy (CopyrightPolicy.aspx) | Hyperlinking Policy (HyperlinkingPolicy.aspx) | Accessibility Statement (Accessibilitystatement.aspx) | Disclaimer (Disclaimer.aspx) | Contact Us (contact.aspx)

For any Technical support, Please Contact EFCCID, NIC, New Delhi, monitorin fc(at)nic(dot)in